❶

ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक
आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

मा बिभेर्न मरिष्यसि।।

अथर्व. 5/30/8

हे आत्मन्! डर मत, तू मरेगा नहीं।

O soul! be not araid ! you will not die.

वर्ष 41, अंक 39 एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 16 जुलाई, 2018 से रविवार 22 जुलाई, 2018
विक्रमी सम्वत् 2075 सृष्टि सम्वत् 1960853119
दयानन्दाब्द : 195 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8
फैक्स : 23365959 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें – www.thearyasamaj.org/aryasandesh

मैदानों से लेकर पहाड़ों तक अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की गूँज

सड़क मार्ग द्वारा टंकारा से दिल्ली पहुंचेंगे 200 नवयुवक

राजकोट में गुजरात प्रान्तीय आर्य प्रतिनिधि सभा की महासम्मेलन प्रचार बैठक सम्पन्न

मार्ग के प्रत्येक जिले में करेंगे अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 पहुंचने का आह्वान

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की तैयारी की दृष्टि से गुजरात प्रान्त की बैठक आर्य समाज के भव्य व विशाल भवन राजकोट में सम्पन्न हुई। वर्षा के प्रभाव से बेखबर दूर-दूर से आर्यजन सभा में उपस्थित हुए। टंकारा, राजकोट, सूरत, बड़ौदा, आणन्द भावनगर, अहमदाबाद, गाँधीधाम, मोरवी, जूनागढ़, पोरबन्दर, सुरेन्द्रनगर, जामनगर के अतिरिक्त अनेक समाजों व ग्रामीण इलाके से आर्यजन बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

सभा को संबोधित करते हुए सार्वदेशिक सभा के मन्त्री श्री प्रकाश आर्य ने पहले संगठन को दृढ़ बनाने की चर्चा की। आपने कहा जिस लक्ष्य के लिए

– शेष पृष्ठ 4 व 7 पर

जैसे पानी स्वयं पहाड़ों से मैदानों में पहुंचता है उसी प्रकार दल-बल के साथ पहुंचेंगे - प्रबोध चन्द्र सूद

मंडी में आर्य प्रतिनिधि सभा हिमाचल प्रदेश के अन्तर्गत आर्यसमाजों के अधिकारियों व कार्यकर्ताओं की बैठक सम्पन्न

देश-विदेशों में लगातार चल रही बैठकों के कार्यक्रमों की कड़ी में अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की तैयारी के चलते आर्य प्रतिनिधि सभा हिमाचल प्रदेश के अन्तर्गत आर्य समाजों की बैठक आर्यसमाज मंडी में सम्पन्न हुई। बैठक में आर्य प्रतिनिधि सभा हिमाचल प्रदेश के प्रधान श्री प्रबोध चंद्र सूद ने आर्यों का आह्वान करते हुए कहा जिस तरह पहाड़ों से पानी मैदानों में पहुँचता है उसी तरह हिमाचल के पहाड़ों से आर्य वीर, आर्य महानुभाव दल-बल सहित दिल्ली पहुंचेंगे।

– शेष पृष्ठ 4 व 7 पर

उत्तर प्रदेश की आर्यसमाजों में जनसम्पर्क बैठकों का दौर जारी

कानपुर, वाराणसी, देवरिया, मऊ, बस्ती, गोण्डा, खलीलाबाद, सन्त कबीर नगर के आर्य कार्यकर्ताओं की बैठकें सम्पन्न

आर्यजनों का उत्साह देखकर मन हुआ प्रफुल्लित : कहा वर्षों से है इंतजार

पूरे क्षेत्र के आर्य वीर दल के कार्यकर्ताओं में महासम्मेलन को लेकर भारी उत्साह – ओम प्रकाश आर्य (बस्ती)

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की तैयारी के चलते जिला आर्य प्रतिनिधि सभा कानपुर के तत्त्वावधान में आर्य समाज गोविन्दनगर में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिला सभा के प्रधान श्री अशोक कुमार आनन्द, जिला मन्त्री श्री आनन्द आर्य, कोषाध्यक्ष श्री अनिल चोपड़ा, श्रीमती चन्द्रकान्ता गेरा, अशोक कुमार पुरी, सन्तोष आर्या, सुरेन्द्र कुमार गेरा, सुभाष आर्य, विनोद कुमार आर्य, शिव कुमार आर्य, शुभ कुमार वोहरा साहित जिले की विभिन्न आर्य समाजों से अधिकारियों, सदस्यों एवं बड़ी संख्या में माताओं-बहनों ने भाग लिया तथा महासम्मेलन में भाग लेने के लिए उत्साह के साथ संकल्प लिया।

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की तैयारी के चलते आर्यसमाज भोजूवीर वाराणसी में 10 जुलाई को बैठक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर जिला सभा वाराणसी के अध्यक्ष श्री अजीत कुमार, संचालक श्री प्रमोद आर्य, मन्त्री श्री दिनेश आर्य, आर्य वीर दल के उप प्रधान संचालक श्री कपिलदेव आर्य, सोनभद्र जिला सभा के प्रधान श्री देवेन्द्र आर्य, वेद प्रकाश बृजवासी, राजकुमार वर्मा, नागेन्द्र सिंह, विद्यानन्द आर्य, कमल कृष्ण रस्तोगी, प्रमोद शास्त्री, अशोक त्रिपाठी, श्री अतीत आर्य, श्री दिनेश आर्य, डॉ. विवेक आर्य समेत 6 जिलों के स्थानीय अधिकारी तथा सैकड़ों प्रतिनिधि उपस्थित रहे। आर्य महासम्मेलन दिल्ली में 2000 से अधिक आर्यजनों ने आने की प्रतिबद्धता जताई।

– शेष पृष्ठ 4 पर

वेद-स्वाध्याय

परमैश्वर्यवान् ईश्वर

विशंविशं मघवा पर्यशायत जनानां धेना अवचाकशद् वृषा।
यस्याह शक्रः सवनेषु रण्यति स तीव्रै सोमैः सहते पृतन्यतः।। -ऋ. 10/43/6
ऋषिः **कृष्ण आङ्गिरसः।।** देवता - **इन्द्रः।।** छन्दः **जगती।।**

शब्दार्थ- मघवा = परमैश्वर्यवान् ईश्वर **विशं विशम्** = प्रत्येक मनुष्य में **परि अशायत** = लेटे हुए हैं, चुपके से व्यापे हुए हैं और **वृषा** = वे सुखवर्षक ईश्वर **जनानाम्** = सब मनुष्यों की **धेनाः** = ज्ञानक्रियाओं को **अवचाकशत्** = देख रहे हैं या प्रकाशित कर रहे हैं। **अह** = परन्तु **शक्रः** = ये सर्वशक्तिमान् ईश्वर **यस्य** = जिसके **सवनेषु** = सवनों में, ज्ञान - निष्पादनों में **रण्यति** = रम जाते हैं, इन्हें स्वीकार कर लेते हैं **सः** = वह पुरुष **तीव्रैः सोमैः** = अपने इन तीव्र सोमों द्वारा, महाबली उच्च ज्ञानों द्वारा **पृतन्यतः** = सब आक्रमणकारियों को, बड़े-से-बड़े हमलों को **सहते** = सहता है, जीत लेता है।

विनय- नारायण प्रभु प्रत्येक मनुष्य के हृदयकुटीर में आकर लेटे हुए हैं, हम इसे जानते हों या न जानते हों। सबमें चुपके से लेटे हुए ये नारायण प्रत्येक मनुष्य की ज्ञानक्रियाओं को भी साक्षात् देख रहे हैं, बल्कि उन ज्ञानक्रियाओं को अपने प्रकाश से प्रकाशित कर रहे हैं। ये नारायण हममें जागते तब हैं जब इन्हें अपने इस ज्ञान की, अपने श्रेष्ठ से-श्रेष्ठ ज्ञान की, भेंट चढ़ायी जावे, जब यह सोमरस इन्हें पिलाया जावे। सर्वश्रेष्ठ भक्ति और सर्वश्रेष्ठ सोमसवन तत्त्वज्ञान का निष्पादन ही है भगवान् इसी के भूखे हैं। इसी के लिए प्रत्येक के अन्दर बैठे उसकी ज्ञान क्रियाओं को निहार रहे हैं। प्रत्येक मनुष्य कुछ-न-कुछ अपना सोमसवन कर रहा है, प्रत्येक मनुष्य कभी-न-कभी विवेक करने, तत्त्वज्ञान के खोजने और ज्ञान का निष्कर्ष निकालने के लिए बाधित होते हैं; अतः वे सबके अन्दर बैठे धैर्य से प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह सच है कि जिसके अन्दर यथेच्छ सोमरस को पाकर वे भगवान् जाग उठते हैं वह निहाल हो जाता है। उसमें ऐसा अद्भुत सामर्थ्य प्रकट होता है कि उसके सामने संसार की कोई भी शक्ति ठहर नहीं सकती। बस, देर यही है कि वे किसी के सोमसवन को स्वीकार कर लेवें, किसी को अपना लेवें। जिसे वे अपना लेते हैं, वर लेते हैं उसके सामने तो वे अपने सम्पूर्ण सर्वसमर्थ रूप में, अपने सम्पूर्ण 'शक्र' और 'वृषा' रूप में प्रकट हो जाते हैं। सचमुच ज्ञान ही सर्वोच्च शक्ति है। ज्ञानी ही संसार के विकट- से-विकट पाप आक्रमणों को सह सकता है। ज्ञान के बिना शैतान की फ़ौजों के सामने कोई नहीं ठहर सकता; 'प्रसंख्यान' के सर्वश्रेष्ठ ज्ञान को भी प्रभु-अर्पण कर देने पर भक्त योगी को अपनी धर्ममेघ समाधि में सोम की वर्षा [1] मिलती है उन तीव्र सोमों (उच्च ज्ञानों) के सामने शैतान की सैकड़ों आक्रमणकारी फ़ौजें भी एक क्षण में परास्त हो जाती हैं; सब पाप और क्लेश समाप्त हो जाते हैं।

1. योगदर्शन पाद 4, सूत्र 29-30

-: साभार :- वैदिक विनय

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

सम्पादकीय

ईसाई मिशनरी दया या दानवता

....निर्मल हृदय में रह रहीं पीड़िताओं से जन्मे और शिशु भवन में रखे गए 280 बच्चों का कोई अता-पता नहीं है। अब तक की जांच के दौरान जब्त किए गए कागजात के अनुसार 2015 से 2018 तक उक्त दोनों जगहों (निर्मल हृदय, शिशु भवन) में 450 गर्भवती पीड़िताओं को भर्ती कराया गया। इनसे जन्मे 170 बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया या जानकारी दी गई। शेष 280 बच्चों का कोई अता-पता नहीं है, यानि दया की आड़ में दानवता का यह खेल कई वर्षों से खेला जा रहा था।....

क्या यह मात्र एक खबर है कि महान संत की उपाधि से नवाजी गयी मदर टेरेसा द्वारा शुरू की गई संस्था मिशनरीज ऑफ चैरिटी के रांची के ईस्ट जेल रोड स्थित ''चौरिटी होम निर्मल हृदय'' में नवजात बच्चों को बेचने के मामले में दो नन और एक महिला कर्मचारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। चलो मान भी लिया जाये कि अन्य खबरों की तरह यह भी एक खबर है पर क्या इस बात को यहीं समाप्त कर दिया जाये! लेकिन इस मामले में एक महिला कर्मचारी अनिमा इंदवार ने भी स्वीकारा है कि इस रैकेट में ''निर्मल हृदय'' की सिस्टर कोनसीलिया भी शामिल थी और दोनों इससे पहले आधा दर्जन बच्चे बेच चुकी हैं। शायद अब ये खबर नहीं है क्योंकि ये ईसाई मिशनरीज के निर्मल हृदय का वह काला सच है जिसे दुनिया के सामने लाया जाना चाहिए ताकि लोगों को पता चले कि इन मिशनरीज की दया के अन्दर एक रूप दानवता का भी समाया हुआ है।

इस मामले में पुलिस और अन्य अधिकारियों की प्रारंभिक जांच में जो सच सामने आया है वह बेहद चौंकाने वाला है। निर्मल हृदय में रह रहीं पीड़िताओं से जन्मे और शिशु भवन में रखे गए 280 बच्चों का कोई अता-पता नहीं है। अब तक की जांच के दौरान जब्त किए गए कागजात के अनुसार 2015 से 2018 तक उक्त दोनों जगहों (निर्मल हृदय, शिशु भवन) में 450 गर्भवती पीड़िताओं को भर्ती कराया गया। इनसे जन्मे 170 बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया या जानकारी दी गई। शेष 280 बच्चों का कोई अता-पता नहीं है, यानि दया की आड़ में दानवता का यह खेल कई वर्षों से खेला जा रहा था।

ऐसा ही एक मामला साल 2016 में पश्चिम बंगाल में उजागर हुआ था जब मुफ्त क्लीनिक और बच्चों का स्कूल चलाने वाले एक ईसाई संस्था के यहां से कब्र खोद कर दो बच्चों के कंकाल निकाले गए थे और खुफिया विभाग ने 45-50 बच्चों को संतानहीन दंपतियों को बेचने का आरोप इस संस्था पर लगाया था। असल में ईसाई मिशनरीज द्वारा किया जा रहा मानवता की आड़ में यह धंधा कई वर्ष पहले 2011 में स्पेन से उजागर हुआ था वहां इस गिरोह में डॉक्टर, नर्स, पादरी एवं चर्च के उच्चाधिकारी शामिल पाए गये थे और बताया गया था मानवता और दया के घूंघट से अपना असली दानवता का चेहरा ढककर इस गिरोह ने पिछले 50 साल में 3 लाख बच्चे बेचे थे। गिरोह की कार्यप्रणाली के अनुसार नवप्रसूता से कह दिया जाता था कि ''बच्चा मरा हुआ पैदा हुआ था, इसलिए दफना दिया गया।'' इस बात को पुख्तास्वरूप देने के लिए कैथोलिक चर्च के पादरी से पुष्टि करवाई जाती थी, फिर निःसंतान दंपतियों को वह बच्चा मोटी रकम में बेच दिया जाता था। यह गोरखधंधा इतने वर्षों तक इसलिए चल सका क्योंकि दुखी माता-पिता सम्बन्धित पादरी की बात पर आसानी से विश्वास कर लेते थे।

बात बच्चे बेचने तक सीमित नहीं है, भारत जैसे देशों में यह मिशनरीज अन्य कार्यों को अंजाम देने से नहीं चूक रही है। गौरतलब है कि इसी महीने मिशनरीज का एक दूसरा मामला सामने आया था जब झारखंड के दुमका में आदिवासियों के बीच कथित तौर पर धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश में जुटे 16 ईसाई धर्म प्रचारकों जिनमें सात महिलाएं भी शामिल थीं को गिरफ्तार किया गया है। इन पर आरोप है कि शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के सुदूर फूलपहाड़ी गांव में ग्रामीणों के बीच गैरकानूनी ढंग से प्रचार करते हुए उन्हें काल्पनिक शैतान से डराकर उन पर अपना धर्म बदलने के लिए जोर दे रहे थे।

पिछले महीने ही खूंटी के कोचांग गांव में पांच महिलाओं के साथ हुए सामूहिक बलात्कार की घटना में स्कूल के फादर अल्फांसो आइंद को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था और इसी दौरान केरल में 5 पादरियों के द्वारा चर्च में प्रार्थना करने गई एक महिला का बलात्कार करने का मामला भी सामने आया था। इससे पहले साल 2014 में केरल के कोट्टियूर में एक पादरी द्वारा नाबालिगा से बलात्कार, फिर उस पीड़िता के एक शिशु को जन्म देने का मामला प्रकाश में आया था और इसी वर्ष अप्रैल 2014 में ही केरल में 3 कैथोलिक पादरी बच्चों से बलात्कार के मामले में कानून की पकड़ में आए थे। वर्ष 2016 में प. बंगाल में भी एक पादरी पर महिला से दुष्कर्म किए जाने का आरोप लगा था। इन सभी मामलों में गिरजाघरों ने शर्मिंदा होने की बजाय केवल अपने पादरियों का ही बचाव किया था। इन सभी मामलों पर छद्म-पंथनिरपेक्षक, उदारवादी और मानवाधिकार व स्वयंसेवी संगठन तो चुप रहे ही थे, मीडिया का एक बड़ा भाग भी या तो इस पर मौन रहा या फिर कुछ ने इस घृणित मामले को एक साधारण समाचार के रूप में प्रस्तुत किया था। इन सभी मामलों में उस तरह का हंगामा, समाचार पत्रों के मुखपृष्ठों में सुर्खियाँ और न्यूज चैनलों पर लम्बी बहस नहीं दिखी जो कथित भारतीय बाबाओं पर लगे यौन-उत्पीड़न के आरोपों के बाद नजर आई थी।

जबकि दानवता के ये मामले कम संगीन नहीं और न ही यही समाप्त नहीं होते, कुछ महीने पहले की ही तो बात है जब तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले के सलवक्कम गाँव में एक पादरी थॉमस 'लाइट आफ द ब्लाइंड' संस्था की आड़ में मानव अंग और हड्डियां बेचता पकड़ा गया था। उस समय यह भी सवाल उठा था कि मानवता को दया का सन्देश देने वाले पादरी और चर्च के अधिकारी आध्यात्मिकता और नैतिकता के बजाय अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए गैरकानूनी कार्यों में लिप्त हैं? दरअसल ये सब कोई मामूली खबरें नहीं है बल्कि भारतीय धराधाम पर हो रहे पाप और ईसाई मिशनरीज के राक्षसों की लपलपाती लहू चाटती जीभ के सजीव उदाहरण हैं। ईसाइयत की पवित्रता के नाम पर दानवता के इस खेल का यह एक ऐसा किस्सा है, जिसमें मासूम नवजात बच्चों की खरीद फरोख्त से लेकर यौन शोषण और धर्मांतरण तक के खेल जारी हैं। - ***सम्पादक***

फिर देश में संविधान का काम ही क्या रहेगा?

....जिस शरई अदालत की मांग काजी तबरेज आलम कर रहे हैं उसमें यह कौन सुनश्चित करेगा कि इसकी आड़ में महिलाओं और कमजोर मुस्लिमों का शोषण नहीं होगा? क्योंकि निकटवर्ती फैसलों में इसके अच्छे परिणाम दिखाई नहीं दिए है। मुजफ्फरनगर में साल 2005 में क्या हुआ था इमराना घर की चारदीवारी के भीतर ही अपने ससुर की हैवानियत का शिकार हुई थी जिसे बाद में इसी शरिया अदालत ने इमराना को उसके पिता तुल्य ससुर की पत्नी घोषित किया था, अंत में इसी भारतीय संविधान ने इमराना को न्याय दिया और उसके बलात्कारी ससुर को न्यायालय ने दस साल की सजा सुनाई थी। ....

एक बार फिर से यह बहस जोर पकड़ रही है कि देश संविधान से चलेगा या इस्लामिक शरिया कानून से? क्योंकि हाल ही में आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की दारुल कजा कमेटी के आयोजक काजी तबरेज आलम ने कहा है कि मुसलमान कोर्ट कचहरी के चक्कर लगाने के बजाय अपने मुकदमे दारुल कजा (शरई अदालत) के जरिये निपटाएं। इनके इस बयान के बाद इस बहस ने जोर पकड़ लिया है कि जब स्वतंत्रता के बाद नागरिकों के व्यक्तित्त्व के पूर्ण विकास के लिए भारत के संविधान में मौलिक अधिकारों और नीति निर्देशक तत्त्वों का प्रावधान किया गया है संविधान की प्रस्तावना में न्याय, समानता, धर्मनिरपेक्षता एवं सांस्कृतिक बहुलता के महत्त्व का स्पष्ट उल्लेख है और प्रत्येक नागरिक को विधि के द्वारा समान संरक्षण और न्याय का अधिकार देता है तो फिर देश में धार्मिक अदालतों की जरूरत मुस्लिम समुदाय को क्यों आन पड़ी?

कहीं ऐसा तो नहीं कि संपूर्ण विश्व में मुसलमान आगे बढ़कर नित नई मांगें सामने रख रहे हैं और कुछ मामलों में तो अन्य मतों या उसी देश के नागरिकों के सामाजिक जीवन शैली को ही चुनौती देते दिख रहे हैं। जिनमें मध्यकाल की शरई अदालत भी एक है। मेरे ख्याल से आज के सार्वजनिक आधुनिक जीवन में शरीयत जैसे मध्ययुगीन कानून के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। इसका एक सामान्य नियम यह है कि पूरे अधिकार दो परन्तु विशेषाधिकार की माँग अस्वीकार कर दी जाये।

आखिर जिस शरई अदालत की मांग काजी तबरेज आलम कर रहे हैं उसमें यह कौन सुनश्चित करेगा कि इसकी आड़ में महिलाओं और कमजोर मुस्लिमों का शोषण नहीं होगा? क्योंकि निकटवर्ती फैसलों में इसके अच्छे परिणाम दिखाई नहीं दिए हैं। मुजफ्फरनगर में साल 2005 में क्या हुआ था इमराना घर की चारदीवारी के भीतर ही अपने ससुर की हैवानियत का शिकार हुई थी जिसे बाद में इसी शरिया अदालत ने इमराना को उसके पिता तुल्य ससुर की पत्नी घोषित किया था, अंत में इसी भारतीय संविधान ने इमराना को न्याय दिया और उसके बलात्कारी ससुर को न्यायालय ने दस साल की सजा सुनाई थी। जिसे यह उदाहरण पुराना लगा हो अभी ताजा उदाहरण बरेली का है जहाँ निदा खान नाम की एक मुस्लिम महिला को शौहर द्वारा तलाक मिला और दोबारा निकाह के लिए मजबूरी में ससुर से हलाला करना पड़ा था, मगर पिछले साल शौहर ने फिर तलाक देकर घर से निकाल दिया। फरियादों और गुहार के एक लम्बे दौर के बाद शौहर फिर दोबारा निकाह के लिए तैयार हुआ लेकिन इस बार उसने अपने छोटे भाई के साथ हलाला करने की शर्त रखी। ये सब शर्मनाक कांड इसी (शरई अदालत) की छाँव में हुआ है जिसके अनुसार आज मुस्लिम समुदाय को हांकने की कोशिश की जा रही है। क्या कोई सोच भी सकता है कि भारतीय संविधान की न्याय व्यवस्था ऐसे कृत्य को इजाजत देती?

इन घिनौने अमानवीय कृत्यों के बाद भी वहाबी लौबी भारत से संविधान को नष्ट कर शरिया अदालत से चला देना चाह रही है जबकि (शरई अदालत) के पैरोकारों को अपनी मांगों का मूल्यांकन करना चाहिए (शरई अदालत) की आड़ में पूर्ववर्ती कृत्यों और सामयिक आचरण को ध्यान में रखना चाहिए? इन प्रत्येक उदाहरण से यह बात समझ में नहीं आती कि भारतीय मुसलमानों के कथित रहनुमा बने ये लोग सामाजिक दायरे में समायोजित होना चाहते हैं या फिर इसे नए सिरे से बनाना चाहते हैं। आखिर वह तरीका इस्लामिक कानून के अलावा कोई दूसरा क्यों नहीं हो सकता? किसी भी नागरिक का समान व्यवस्था के अंतर्गत रहना तो ठीक है परन्तु इसे अपने अनुसार चलाना सर्वथा अनुचित है। भारत के संदर्भ में जहाँ गंगा यमुना तहजीब के गीत गाये जाते हैं वहां मुसलमानों को संविधान के ढांचे को स्वीकार करना चाहिए न कि इसकी अवहेलना करनी चाहिए। जो लोग शरियत के पक्ष में तर्क देते हैं उनसे सिर्फ एक प्रश्न है कि आखिर लोकतान्त्रिक और आधुनिक संवैधानिक विधि को लेकर उन्हें समस्या क्यों है? जबकि शेष दुनिया ने अपनी प्राचीन न्यायिक विधियों को नकार दिया और आधुनिक संविधान को आत्मसात किया है।

इस संदर्भ में देखें तो एक ओर आधुनिकता के इस दौर में कुछ कट्टरपंथी संगठन अनेकों स्थानों पर शरिया अदालत का पुरजोर समर्थन करते हुए हिंसा भी कर रहे हैं। शायद यह इस्लामवाद का एक प्रयोग हो? यदि यह प्रयोग असफल होता दिखता है तो दूसरा प्रयोग शुरू हो जाता है मज़हब के नाम पर नरम आवाज में अपनी मांग पुरजोर करते हैं कि उनकी आस्था को ध्यान में रखकर मज़हब के आधार पर अलग अदालतें होनी चाहिए। यदि अदालत न मिले तो अपने लिए अलग मुल्क की मांग रख दी जाये। जैसाकि देश 1947 में मजहब के आधार पर भुक्तभोगी है। इसमें कानून और विधि के जानकर इस्लामवादी नरम तरीकों से अपनी बात रखतें और उसके बाद हिंसक तत्त्व सत्ता प्राप्त करते हैं या शरिया अदालतों का संचालन करते हैं। जिस प्रकार हमास ने गाजा पर नियंत्रण करने के बाद किया था।

एक तरफ मुस्लिम समुदाय अपने अधिकारों की मांग संविधान के अनुसार करता दिखता है जिसमें कि आरक्षण आदि चीजें मांगता है दूसरा अपने फैसले मध्यकाल के शरई कानून में चाहता है क्या यह निष्कर्ष इस बात पर पहुँचने को प्रेरित करता है कि इस्लाम और उसके सामान्य तत्त्व अपने आप में आधुनिक संविधान और लोकतंत्र से असंगत हैं। जिस कारण आज भी मुस्लिम समाज इस्लाम के सातवीं सदी के स्वभाव को प्रकट करने के लिए पुरजोर कोशिश कर रहा है जबकि मुसलमानों द्वारा अधिक अधिकार की माँग के मामलों में प्रमुख अंतर यह करना चाहिए कि क्या मुस्लिम अपेक्षायें समाज के दायरे में उपयुक्त बैठती हैं या नहीं! उन्हें साफ करना चाहिए कि हमें समाज में समायोजित होना या समाज को स्वयं में समायोजित करना है? यदि आज दारुल कजा (शरई अदालत) को सरकार या संविधान में स्वीकार किया गया तो कल खाप के फैसले, परसों गिरजाघर के फैसले इसके बाद हर एक पंथ, हर मजहब, समुदाय या जाति अपने-अपने तरीकों से फैसलों की मांग करेगा। फिर देश के अन्दर संविधान का काम ही क्या रह जाएगा?

- राजीव चौधरी

क्रान्तिकारियों की कथा

अमर शहीद राजगुरु

गतांक से आगे -

इस पर भी मालिक का तुर्रा यह कि दुकान के पिछले हिस्से में पड़ा उसका पुराना-धुराना सामान ज्यों का त्यों रहेगा। टाट का एक पर्दा टांगकर केवल अगला भाग ही इस्तेमाल में लाया जाये।

ये लोग राज़ी हो गये। ज़्यादा जगह का करते भी क्या! तमाम दिन इधर-उधर घूमना-घामना! कभी कलक्टरी कचहरी में ट्रेज़री आफ़िस के चक्कर लगाते, तो कभी इम्पीरियल बैंक के। रात में थके-मांदे आकर दुकान में पड़-भर रहते। जाड़े के दिन थे, इसलिए कोई ख़ास परेशानी भी नही हुई।

तीन दिन तो सुराग़रसी ओर जायज़ा लेने में ही निकल गए। रुपये पैसे, पुलिस गार्ड आदि की मुकम्मिल जानकारी हासिल करके चौथे दिन दुकान में आकर हारे-थके लेटे-भर थे कि नींद आ गई। कुम्भकर्ण की नींद सोने में राजगुरु का जवाब नहीं था, जबकि शिव वर्मा थे उनके ठीक विपरीत। कुत्ते जैसी नींद थी उनकी। ज़रा-सी आहट हुई नहीं कि तुरन्त सतर्क!

आधी रात का समय रहा होगा। अचानक शिव वर्मा की नींद टूटी। सांप के फुफकारने जैसा स्वर सुनाई दिया उन्हें। तुरन्त चौकन्ने हुए और बग़ल में रखी टार्च उठाकर जलाई। इधर-उधर नज़र दौड़ाई तो देखा कि राजगुरु के सिरहाने एक काला नाग फन फैलाए फुफकार रहा है। तुरन्त बग़ल में लेटे भगतसिंह को जगाकर राजगुरु के सिर पर मंडराती हुई मौत से उन्हें अवगत कराया। भगतसिंह ने राजगुरु को उठाना चाहा, लेकिन उन्हें कहां होश! चैन से खर्राटे भर रहे थे। भगतसिंह ने फ़ौरन राजगुरु के दोनों पैर पकड़कर नीचे घसीटे और बोले, ''जल्दी उठ! सांप है तेरे सिरहाने।''

''छेड़ों मत मुझे सोने दो!'' राजगुरु ने छोटा-सा उत्तर दिया और करवट बदलकर फिर सो गए। तभी विषधर रेंगता हुआ दुकान के पिछले हिस्से में गायब हो गया। ***- क्रमशः***

- धर्मेन्द्र गौड़ : साभार :
क्रान्तिकारी आन्दोलन के अधखुले पन्ने

क्रान्तिकारी आन्दोलन के अधखुले पन्ने : वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्त करने के लिए मो. नं. 9540040339 पर सम्पर्क करें।

ओ३म्
भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज़, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण
(द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)
सत्य के प्रचारार्थ
सत्यार्थ प्रकाश
सत्य के प्रचारार्थ

● प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 50 रु.	प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
● विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 80 रु.	प्रचारार्थ 50 रु.	
● स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8	मुद्रित मूल्य 150 रु.		प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन
कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति **सत्यार्थ प्रकाश** के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें
आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650622778
E-mail : aspt.india@gmail.com

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन
25, 26, 27, 28 अक्टूबर 2018

सम्मेलन स्थल :- **स्वर्ण जयंती पार्क, रोहिणी, सैक्टर-10, दिल्ली-85**

विश्व शान्ति यज्ञ, योग व तपोनिष्ठ संन्यासियों, वैदिक विद्वानों द्वारा सत्संग तथा प्रवचन का लाभ उठाने हेतु लाखों की संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनायें।

सम्मेलन कार्यालय : दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-1 दूरभाष : 9540029044
E-mail : aryasabha@yahoo.com, Website : www.aryamahasammelan.org, www.thearyasamaj.org
YouTube : thearyasamaj 9540045898

प्रथम पृष्ठ का शेष

जैसे पानी स्वयं पहाड़ों ...

इस अवसर पर अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम के महामंत्री श्री जोगेन्द्र खट्टर ने हिमाचल सभा के सभी अधिकारियों, सदस्यों और उपस्थित माताओं-बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में होने जा रहा महासम्मेलन अभी तक के पूर्व महासम्मेलनों में एक अलग इतिहास लिखने जा रहा है जो आने वाले समय में आर्य समाज को वही दिशा देगा जैसा स्वामी जी ने सोचा था।

सार्वदेशिक सभा के उपमन्त्री एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य ने अपने उद्बोधन में कृण्वन्तो विश्वार्यम् का नारा लगाते हुए उपस्थित आर्यजनों से आह्वान करते हुए कहा कि देश विदेश के समस्त आर्यजनों की सक्रियता और सहभागिता से होने वाले आर्य महासम्मेलन से केवल समाज का ही नहीं बल्कि समस्त संसार का हित होगा एक नई दिशा और चेतना से सब लोग मिलकर स्वामी जी के सपनों को साकार करने का कार्य करेंगे।

हिमाचल प्रदेश के आर्यसमाज मंडी में उपस्थित विभिन्न क्षेत्रों से पधारे अधिकारी एवं कार्यकर्तागण

इस अवसर पर हिमाचल आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री प्रबोध चंद्र सूद, महामंत्री डॉ. कर्ण सिंह, कोषाध्यक्ष श्री सुधीर सूद, व. उप प्रधान श्री रामफल

– शेष पृष्ठ 7 पर

प्रथम पृष्ठ का शेष

सड़क मार्ग द्वारा टंकारा से .....

आर्य समाज की स्थापना हुई है उसे पूरा करना ही आर्य समाज की सार्थकता है। हम सब पर महर्षि का ऋण है उसके कार्य को पूरा करने की नैतिक जवाबदारी हमारी है।

ऋषि दयानन्द की जन्मस्थली वाले क्षेत्र में आर्यों की महर्षि के कार्यों को और आगे बढ़ाने की सबसे अधिक जवाबदारी है। विगत वर्षों में हुए आर्यसमाज के कार्यों और भविष्य की योजना पर भी प्रकाश डाला। पूर्व में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलनों की उपलब्धि और उसके महत्त्व को बताते हुए 2018 के सम्मेलन की योजना पर प्रकाश डाला।

सभा प्रधान श्री सुरेशचन्द्र आर्य ने अपने उद्बोधन में आर्य समाज की भावी योजना व सम्मेलन में आयोजित कार्यों पर प्रकाश डाला। आपने प्रत्येक आर्य को सपरिवार सम्मेलन में उपस्थित होने का आह्वान किया। समस्त सदस्यों और समाजों

– शेष पृष्ठ 7 पर

आर्यसमाज राजकोट में उपस्थित गुजरात के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे अधिकारी एवं कार्यकर्तागण

प्रथम पृष्ठ का शेष

पूर्वी उत्तर प्रदेश से 1000 आर्यवीर पूर्ण गणवेश में भाग लेंगे – डॉ. विवेक आर्य

कानपुर, वाराणसी, देवरिया, मऊ, बस्ती.....

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की तैयारी के चलते आर्य समाज देवरिया की बैठक प्रधान श्री राज कुमार अग्रवाल जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वश्री अवनीश कुमार, पुरोहित रोशन कुमार, आचार्य शिवधन आर्य, उदयभान शास्त्री, बालकरण, विश्वजीत आर्य, विजय प्रताप एवं रामानन्द आर्य सहित बड़ी संख्या में आर्यजनों की उपस्थिति रही तथा भारी संख्या में आर्यजनों ने आर्य महासम्मेलन में पहुंचने का संकल्प लिया। पूर्वी उत्तर प्रदेश के आर्य समाजों में लगातार हो रही बैठकों से महासम्मेलन के प्रति आर्यजनों में अनूठा उत्साह देखने को मिल रहा है। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य जी एवं श्री सुरिन्द्र चौधरी जी ने बैठक में पहुंचकर सम्मेलन का निमन्त्रण दिया।

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की तैयारी के चलते पूर्वी उत्तर प्रदेश के बस्ती गोरखपुर मण्डल के आर्य समाजों, आर्य संस्थानों की आर्य समाज मंदिर खलीलाबाद जिला संत कबीर नगर में बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में दिल्ली सभा महामंत्री श्री विनय आर्य जी समेत श्री ओमप्रकाश आर्य, अशोक आर्य, सबल मित्र शास्त्री, देवव्रत आर्य, हीरालाल, आदित्य नारायण, सूर्य प्रकाश शुक्ला, अरविन्द श्री वास्तव, रामप्रसाद आर्य, श्री प्रमोद आर्य जी एवं श्री राजकुमार अग्रवाल जी की उपस्थिति में पूर्वी उत्तरप्रदेश के आर्यजनों, माताओं-बहनों ने आर्य महासम्मेलन के प्रति उत्साह प्रकट किया। बैठक में आर्यसमाज गोण्डा से श्री विनोद आर्य, अशोक आर्य, चन्द्रकेतु आर्य, दिनेशचन्द्र शर्मा, कृष्ण कुमार आर्य, सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, शिवनन्दन वैश्य, रमाकान्त मिश्रा, तृप्ति आर्य, अनिता राजपाल एवं योगी प्रसाद आर्य सम्मिलित थे।

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की तैयारी के चलते पूर्वी उत्तर प्रदेश के आर्य समाज मऊ में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वश्री रामज्ञानी आर्य, अजय आर्य, प्रमोद आर्य, रामनाथ चौरसिया, सन्तोष मौर्य, दिनेश नन्दन आर्य, सुमित राय, राजेन्द्र प्रसाद, प्रहलाद वर्मा, अशोक गुप्ता सहित बड़ी संख्या में आर्यजनों की उपस्थिति रही। आर्यजनों ने भारी संख्या में महासम्मेलन में पहुँचने का संकल्प लिया।

प्रचार एवं तैयारियों के लिए प्रान्तीय स्तर पर आयोजित आगामी बैठकें

समस्त आर्यसमाजों, गुरुकुलों, आर्य शिक्षण संस्थानों, आर्य वीर दल, वीरांगना दल एवं सहयोगी संस्थाओं के अधिकारी अधिकाधिक संख्या में भाग लें

आन्ध्र प्रदेश एवं तेलंगाना के आर्य कार्यकर्ताओं की बैठक

21 जुलाई, 2018 प्रातः 10 बजे
आर्यसमाज गुण्टूर , जिला-गुण्टूर (आ.प्र.)

22 जुलाई, 2018 प्रातः 10 बजे
आर्य उन्नत पाठशाला, चादरघाट, हैदराबाद (तेलंगाना)

निवेदक :- डॉ. धर्मतेजा, संयोजक, महासम्मेलन अभियान समिति आ.प्र. व तेलंगाना

आर्य प्रतिनिधि सभा कर्नाटक

22 जुलाई, 2018 सायं 3:00 बजे
आर्यसमाज हुमनाबाद, जिला - बीदर (कर्नाटक)

निवेदक : सुभाष अष्टिकर, प्रधान — डी.ए. वासुदेव राव, मन्त्री

अमेरिका महाद्वीप में हुआ आर्य महासम्मेलन का शंखनाद

उत्तराखण्ड आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान डॉ. विनय विद्यालंकार पहुंचे अमेरिका

आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के अधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों को दिया अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 में भारी संख्या में पहुंचने का आमन्त्रण : एक अनोखी उर्जा का संचार

देश विदेश में आर्यों की एकता, समर्पण और अपार समर्थन से अपने निर्धारित समय तथा लक्ष्य की ओर बढ़ रहे अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली की गूंज सभी दिशाओं में गूंज रही है। मुंबई हो या मॉरीशस, अफ्रीका हो या अमेरिका एक तरह से कहा जाये सभी महाद्वीपों में आर्यों का एक ही नारा है कि अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन को सफल बनाना है। इसी कड़ी में अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की तैयारी के चलते आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका में बैठकों का दौर जारी है। ओ३म् टैम्पल न्यूजर्सी में आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के पूर्व प्रधान डॉ. रमेश गुप्ता जी एवं अन्य सदस्यों तथा आर्य समाज सबर्बन वैस्टचेस्टर (न्यूयॉर्क) अमेरिका के अधिकारियों को अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, दिल्ली का निमन्त्रण पत्र डॉ. विनय विद्यालंकार, प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड एवं कार्यकारिणी सदस्य सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा भेंट किया गया। अमेरिका की स्तम्भ-मुख्य व्यक्तित्व डॉ. देवबाला रामनाथन जी द्वारा संचालित द्रोपदी जिज्ञासु आश्रम 'क्वीन कॉउंटी न्यूयॉर्क' में भी उपस्थित सभी आर्य महानुभावों, आर्य माताओं-बहनों को निमंत्रण पत्र भेंट किया गया। आपको बताते चले द्रोपदी जिज्ञासु आश्रम अमेरिका में वैदिक मंत्रों द्वारा हवन करने का उचित तरीका सिखाया जाता है तथा बच्चों और उनके माता-पिता को वैदिक संस्कृति सीखने और धर्म के बारे में जानने और सत्संग में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

- डॉ. विनय विद्यालंकार, प्रधान

ओ३म् टैम्प्ल न्यू जर्सी (अमेरिका) में आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के प्रधान डॉ. रमेश गुप्ता जी को अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली का निमन्त्रण

अमेरिका स्थित द्रोपदी जिज्ञासु आश्रम के अधिकारियों एवं सदस्यों को दिल्ली महासम्मेलन-2018 में पधारने के लिए निमन्त्रण।

आर्यसमाज न्यूयार्क के अधिकारियों को महासम्मेलन का निमन्त्रण

आर्यसमाज सबर्बन वैस्टचैस्टर (न्यूयार्क) के अधिकारियों को महासम्मेलन का निमन्त्रण

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के अन्तर्गत संचालित पूर्ण संस्कृत गुरुकुल

गुरुविरजानन्द संस्कृतकुलम् में शिक्षार्थियों की वृद्धि

संस्कृत वैदिक विद्वान् और महर्षि दयानन्दोक्त पद्धति पर आधारित दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा आर्यसमाज एल ब्लाक, आनन्द विहार, हरि नगर, नई दिलली में संचाल्यमान संस्कृत-निष्ठ गुरुकुल गुरुविजानन्द संस्कृत कुलम् में पांच नये विद्याथियों ने प्रवेश प्राप्त कर गुरुकुलीय पद्धति से मुण्डन, कर्णवेध, यज्ञोपवीत और वेदारम्भ किया। गुरुकुल आचार्य ने गुरुविरजानन्द संस्कृतकुलम् के नवनिर्मित भवन में पूर्व निर्धारित संख्या 10 से 10 और वृद्धि करने का संकल्प लिया है। अत: प्रवेशेच्छुक माता-पिता और अभिभावकगण सम्पर्क करें।

- आचार्य श्री धनञ्जय शास्त्री मो. 9650183330

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 की तैयारी हेतु

भारत की आर्य प्रतिनिधि सभाओं, दिल्ली एवं दिल्ली आस-पास के समस्त आर्यसमाजों, आर्यशिक्षण संस्थाओं, सहयोगी संगठनों एवं महासम्मेलन की विभिन्न कार्य व्यवस्था समितियों की सामूहिक वृहद बैठक

5 अगस्त, 2018 (रविवार) प्रात: 10:30 बजे रघुमल आर्य कन्या सी. सै. स्कूल, राजाबाजार, नई दिल्ली

समस्त आर्य संस्थाओं के अधिकारी, सदस्य, कर्मठ कार्यकर्ता अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर व्यवस्थाओं में सहयोग बनें

निवेदक

सुरेश चन्द्र आर्य	महाशय धर्मपाल	प्रकाश आर्य	धर्मपाल आर्य
प्रधान	अध्यक्ष	मंत्री	सम्मेलन संयोजक
सा. आर्य प्रतिनिधि सभा	स्वागत समिति	सा. आर्य प्रतिनिधि सभा	प्रधान, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा
+91 9824072509	+91 11 25937987	+91 9826655117	+91 9810061763

Veda Prarthana - II Regveda - 14/2

यश्चकार न शशाक कर्त्तुं शश्रे
पादमऽगुंरिम्।
चकार भद्रमस्मभ्यमात्मने तपनं तु सः।।
– *अर्थववेद 4/18/6*

Yashchakar na shashak kartum shashre padam angurim.
Chakar bhadramasmabhyam atmane tapanam tu sah.
- Atherva Veda 4:18:6

Dear God, May We Always Be Dedicated to perform Virtuous Deeds

- Acharya Gyaneshwarya

Continue from last issue :-

Generosity, serving others and self-sacrifice generate future good sanskars (root mental impressions, inclinations, and memories) in our mind and strengthen our resolve for only doing virtuous deeds in the future also. Our life becomes more joyful and fulfilled. At the time of our death when we look back at our life's journey (what we did good and what bad), there is a sense of satisfaction and equanimity. On the other hand person's who have been selfish and self-centered all their life and lacking generosity, at the end of their life find unhappiness, remorse and repentance.

Therefore, this Veda mantra says O human beings! Whenever there is an opportunity to do a virtuous and/or generous deed, perform it; do not let the occasion slip by you. If one stays alert, every person gets such opportunities in a variety of ways. One can help in one's neighborhood persons who are old, ill, poor, orphan, lacking enough food, clothing, medicine and other resources by donating money, tending to their physical needs, and/or providing verbal support, encouragement, and companionship. Living selfishly only for fulfilling one's own personal needs or one's immediate family needs is living akin to an animal. Only a peron who makes one's own personal life more prosperous and joyful and also helps others to acquire similar joy and prosperity is worthy of being called a true human being.

Every human being, everyday should sit down with eyes closed in a quiet place, and self-reflect and contemplate that what good deeds which I had an opportunity to do earlier today (or yesterday) but somehow did not do and why so. There are so many areas/spheres where one can make progress in the welfare and wellbeing one's own life, family, friends, neighbors, society, nation, and the world. To help others always requires some degree of generosity and self-sacrifice. Without commitment, generosity, self-sacrifice, and being able to overcome other obstacles and hardships, which come along the way, one will not succeed in being able to adequately help others and carry out various virtuous causes. True tapa in life implies the ability to endure any hardship in life's journey while pursuing God, truth and self-less help to others with joy and without complaint. Living such a life brings a person recognition and positive fame in the society as well as an inspiration to others to follow suit to help others in a self-less manner.

Dear God, please always inspire us to do selfless deeds for the welfare, benevolence, and upward progress of others. This will lead not only to others progress but also our own progress in life.

To Be Continue....

आओ ! संस्कृत सीखें — संस्कृत वाक्य अभ्यासः (61)

गतांक से आगे....

अद्य विलम्बः अभवत = आज देरी हो गयी।

कः समयः = क्या समय हुआ है? क्या बजा है?

(इस प्रकार समय पूछा जा सकता है। जिसके उत्तर में हम यह बोलेंगे)

एक वादनम्, द्वि वादनम्, त्रि वादनम्, चतुर वादनम्, पञ्च वादनम्, षड् वादनम्, सप्त वादनम्, अष्ट वादनम्, नव वादनम्, दश वादनम्, एकादश वादनम्, द्वादश वादनम्

प्रश्न :- अधुना कः समयः = अभी क्या बजा है? उत्तर :- द्वि वादनम् = दो बजे हैं।

यदि इसी समय को सवा दो, सवा तीन कहना हो तो ऊपर बताए गए समय के आगे ''सपाद" बोलेंगे। प्रश्न :- अधुना कः समयः = अभी क्या बजा है ?

उत्तर :- सपाद त्रि वादनम् = सवा तीन बजे हैं।

यदि इसी समय को साढ़े तीन, साढ़े चार कहना हो तो ऊपर बताए गए समय के आगे ''सार्ध " बोलेंगे। प्रश्न :- अधुना कः समयः = अभी क्या बजा है ?

उत्तर :- सार्ध चतुर वादनम् = साढ़े चार बजे हैं।

यदि इसी समय को पौने तीन, पौने चार कहना हो तो ऊपर बताए गए समय के आगे 'पादोन' बोलेंगे। प्रश्न :- अधुना कः समयः = अभी क्या बजा है ?

उत्तर :- पादोन पञ्च वादनम् = पौने पाँच बजे हैं।

आप समय का अभ्यास स्वयं कर सकते हैं। समय का उच्चारण करना बहुत ही सरल है। मैं कितने बजे क्या करता हूँ यह बोलने के लिए समय की संख्या को ''सप्तमी विभक्ति" में बोलेंगे। जैसे - अहं चतुर वादने संस्कृतं पाठयितुम् गमिष्यामि।

अद्य सायं सप्त वादने पुस्तकालयं गमिष्यामि। आदि। नित्य संस्कृत बोलने का अभ्यास करें, आपस में बोलते रहें बहुत ही शीघ्र आप संस्कृत में बातचीत करने लग जाएंगे।

- आचार्य सन्दीप कुमार उपाध्याय, **मो. 9899875130**

प्रेरक प्रसंग — त्रैतवाद की चर्चा

पण्डित श्री रामचन्द्र देहलवी एक स्कूल के पास से निकल रहे थे। ईसाइयों का ही स्कूल था। व्यायाम अध्यापक दौड़ें करवा रहा था। छात्रों से अध्यापक ने कहा, ''मैं कहूँगा, एक, दो, तीन। जब तीन कहूँ, तब दौड़ना, पहले नहीं।''

देहलवीजी ने बड़े प्रेम से कहा, ''दो पर क्यों नहीं दौड़ना? तीन पर ही बस क्यों? क्यों नहीं एक, दो, तीन, चार, पाँच, छह पर? वह कुछ उत्तर न दे पाया। देहलवीजी कहा करते थे कि यह एक, दो, तीन, त्रैतवाद का परम्परागत संस्कार है।

- प्रा. राजेन्द्र जिज्ञासु

साभार :

तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी

***तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी* : पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्ति हेतु आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।**

दर्शन योग महाविद्यालय में प्रवेश हेतु सूचना

प्रवेश के लिए योग्यता : प्रवेश केवल ब्रह्मचारियों (पुरुषों) के लिए। आयु - कम से कम 18 वर्ष। शैक्षिणिक योग्यता - कम से कम 12वीं या समकक्ष। व्याकरणाचार्य, शास्त्री या स्नातक को वरीयता। विशेषताएं : प्रत्येक ब्रह्मचारी को विद्यालय में भोजन, आवास, वस्त्र, आसन, घी-दूध, फल, पुस्तक, चिकित्सा आदि की उत्तम व्यवस्था निःशुल्क उपलब्ध है। अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें -

- दर्शन योग महाविद्यालय आर्यवन, रोजड़, पत्रा-सागपुर, ता. तलोद, जि. साबरकांठा, गुजरात-383307
मो. 9409415011, 9409415017

महाशय धर्मपाल सार्वदेशिक धर्म प्रचार प्रकल्प के अन्तर्गत

देश-विदेश में वैदिक धर्म एवं भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु प्रचारकों की आवश्यकता

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली की ओर से देश-विदेश में आर्यसमाज के प्रचार-प्रसार की शृंखला आरम्भ की जा रही है, जिसके लिए सुयोग्य उम्मीदवारों के आवेदन आमन्त्रित हैं। कुल पद : **भारत हेतु 20** तथा **विदेशों हेतु 5**। इच्छुक अभ्यर्थी के लिए वांछित योग्यताएं निम्न प्रकार हैं -

1. आर्य वीर दल का प्रशिक्षण प्राप्त हो। 2. गुरुकुलीय आर्ष पाठ विधि के साथ-साथ आधुनिक विषयों की भी शिक्षा प्राप्त की हो। 3 यज्ञ, भजन, प्रवचन के साथ-साथ सभी वैदिक संस्कार सम्पन्न कराने में निपुण हो। 4. आर्यसमाज के प्रचार की हार्दिक इच्छा रखता हो। 5. युवा जिनकी आयु 18 से 30 वर्ष के मध्य हो।

चयनित अभ्यर्थी की प्रथम नियुक्ति भारत के किसी भी राज्य में तथा विशिष्ट अंग्रेजी भाषा ज्ञान और कार्य के अनुभव के उपरान्त भारत से बाहर किसी भी देश में की जाएगी। पूर्ण योग्यता होने की दृष्टि में सीधे विदेशों में नियुक्ति की जा सकती है। सम्मानित मानदेय के साथ-साथ वाहन व्यय, मोबाईल व्यय, स्वास्थ्य बीमा, आवास की सुविधा प्रदान की जाएगी।

कृण्वन्तो विश्वमार्यम् का लक्ष्य साधने की दृढ़ इच्छा रखने वाले युवा महानुभाव अपना विस्तृत आवेदन पत्र- विश्व में आर्यसमाज के प्रचार की आवश्यकता और उनकी महान इच्छा, पारिवारिक स्थिति एवं परिचय, भाषा ज्ञान, कम्प्यूटर ज्ञान, शैक्षिक योग्यता, पासपोर्ट नं. , मोबाईल एवं ईमेल के साथ तत्काल रूप से **'संयोजक, महाशय धर्मपाल सार्वदेशिक धर्म प्रचार समिति'** के नाम - **'15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001'** के पते पर भेजें अथवा **aryasabha@yahoo.com** पर ईमेल करें।

- संयोजक, महाशय धर्मपाल सार्वदेशिक धर्म प्रचार समिति

महर्षि दयानन्द जन्म स्थान टंकारा (गुजरात) में बोधोत्सव का आयोजन

आर्यजनों को जानकर हार्दिक प्रसन्नता होगी कि प्रतिवर्ष की भांति आगामी वर्ष में महर्षि दयानन्द जन्म स्थान टंकारा में शिवरात्रि के पावन पर्व पर भव्य ऋषि बोधोत्सव का आयोजन रविवार, सोम, मंगल 3, 4, 5 मार्च 2019 को किया जाएगा। आपसे निवेदन है कि आप इन तिथियों में अपनी आर्य समाज एवं संस्था का कोई काग्रक्रम न रखकर उक्त समारोह में टंकारा पधारने का कार्यक्रम बनायें। आपके आवास एवं भोजन की व्यवस्था टंकारा ट्रस्ट की ओर से होगी। *- रामनाथ सहगल, मन्त्री*

पृष्ठ 5 का शेष

पृष्ठ 4 का शेष

सड़क मार्ग द्वारा टंकारा से .....

से तन, मन, धन से इस सम्मेलन को सफल बनाने का आग्रह किया। समस्त आर्यों में बहुत ही हर्ष व नवचेतना की अनुभूति स्पष्ट दिखाई दे रही थी।

टंकारा, गाँधीधाम, सूरत, सुरेन्द्र नगर से बड़ी संख्या में नवयुवक सम्मेलन के पूर्व पहुंचकर व्यवस्था में हाथ बटायेंगे, घोषणा की। 200 नवयुवकों की एक वाहन रैली टंकारा से दिल्ली पहुंचेगी।

इस अवसर पर 105 वर्षीय श्री पोपटलाल प्रागजी भाई चौहान भी बैठक में उपस्थित थे। सार्वदेशिक सभा की ओर से उनका स्वागत किया गया, वे भी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में पधारेंगे, उनका सार्वदेशिक सभा की ओर से अभिनन्दन किया जावेगा।

इस अवसर पर सभा मन्त्री हसमुख भाई ने भी सभी को पूरी जानकारी दी तथा सभा का संचालन किया तथा अपने प्रान्त की सभी समाजों से सैकड़ों की संख्या में उपस्थिति का आश्वासन दिया। श्री वोचोनिधि आर्य ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया तथा श्री रणजीतसिंह प्रधान आर्य समाज राजकोट ने आभार व्यक्त किया। *- प्रकाश आर्य, मन्त्री सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा*

पृष्ठ 4 का शेष

जैसे पानी स्वयं पहाड़ों से ....

सिंह आर्य, आर्य समाज मंडी के पदाधिकारियों, सदस्यों के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश की अनेकों आर्यसमाजों, शिक्षण संस्थानों एवं सहयोगी संस्थाओं से अधिकारियों, सदस्यों एवं एवं बड़ी संख्या में आर्य महानुभाव, माताएं-बहनें उपस्थित रहीं। सभी ने एक स्वर में महासम्मेलन में पहुंचने का संकल्प व्यक्त किया। *- रामफल आर्य, व. उप प्रधान*

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018, दिल्ली

भाग लेने के लिए अभी से रेलवे आरक्षण कराएं

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 दिल्ली में भाग लेने हेतु दिल्ली आने वाले सभी आर्य महानुभाव अविलम्ब अपना रेल आरक्षण जिस भी रेल में मिले करा लें। ऐसा न हो कि देर होने के कारण आप को टिकट ही न मिले और आप महासम्मेलन में भाग लेने से वंचित हो जाएँ। जहां तक रेलवे छूट का प्रश्न है वहां 60 वर्ष से अधिक आयु के पुरुषों एवं 58 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को रेलवे में छूट का प्रावधान पहले से ही है, जिसके छूट का लाभ लेते हुए अभी से आरक्षण करा लेना चाहिए। जन-साधारण के लिए रेलवे विभाग से किराया भाड़ा छूट प्रदान करने का निवेदन किया गया है। आशा है शीघ्र ही किराया भाड़ा छूट प्रमाण पत्र शीघ्र ही प्राप्त होगा। *- संयोजक*

महासम्मेलन के अवसर पर होगा भव्य स्मारिका का प्रकाशन
विज्ञापन, संस्था/आर्यसमाज/ पारिवारिक परिचय दें

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन -2018 दिल्ली के अवसर पर भव्य स्मारिका का प्रकाशन किया जाएगा। यदि आप अपना कोई विज्ञापन, अपनी संस्था/आर्यसमाज/ अपने परिवार के सम्बन्ध में सामग्री प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो आप विज्ञापन के रूप में अपने पारिवारिक पृष्ठभूमि और कार्य का परिचय दे सकते हैं। इसके लिए **संयोजक, स्मारिका, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001** को पत्र लिखें अथवा aryasabha@yahoo.com पर ईमेल करके सम्पर्क करें। *- संयोजक*

शोक समाचार

श्री रामपाल सिंह सैनी को पितृशोक

आर्य समाज नांगलोई के प्रचारमंत्री आर्य श्रीरामपाल सिंह सैनी के पिता आर्य श्री हरलाल सिंह सैनी जी का 9 जुलाई 2018 को 90 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार वैदिक रीति से नागलोई श्मशान भूमि पर किया गया। श्रद्धांजलि सभा 21 जुलाई को उनके निवास स्थान 204 एक्स. 2 सी नागलोई दिल्ली-41 पर सम्पन्न हुई। जिसमें दिल्ली की विभिन्न आर्य समाजों के पदाधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्ति ने अपने-अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये।

श्री राकेश मेहरा को पितृ शोक

आर्य सामज शक्ति नगर अमृतसर के मंत्री श्री राकेश मेहरा के पूज्य पिता श्री राधेश्याम मेहरा जी का 6 जुलाई 2018 को निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति से अमृतसर के समस्त आर्य विद्वानों ने वेद मंत्रोच्चार के साथ शिवपुरी श्मशान घाट अमृतसर में किया गया। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसन्देश परिवार के समस्त अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोक-संतप्त परिजनों को इस दारुण दुःख को सहन करने की शक्ति, सामर्थ्य एवं उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा प्रदान करे। -सम्पादक

समाचार संशोधन : आर्य सन्देश के गत अंक सं. 38 में पृष्ठ 5 पर प्रकाशित अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन के सूचना पत्रक में निवेदकों के अन्तर्गत आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली राज्य के अधिकारियों के नामों के साथ 'उपमन्त्री' भूलवश प्रकाशित हो गया है कृपया इस सुधारकर 'मन्त्री' पढ़ा जाए। आर्यसन्देश परिवार इस भूल के लिए क्षमा प्रार्थी है और पाठकों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त करता है। -सम्पादक

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली : 25-28 अक्टूबर, 2018
आने वाले महानुभाव अपने आने की व्यक्तिगत सूचना तुरन्त भेजें

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 दिल्ली, में भाग लेने वाले महानुभाव के लिए भोजन तथा आवास की व्यवस्था की गई है। अतः अपने आगमन की पूर्व सूचना अग्रिम भेजने की कृपा करें जिससे आपके ठहरने व भोजन की सुन्दर व्यवस्था की जा सके। आप अपना नाम, पता, मोबाईल नं., ईमेल पता निम्न प्रकार के प्रारूप में, **संयोजक, अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018, 15 हनुमान रोड, दिल्ली-110001** के पते पर भेज देवें-

प्रपत्र का प्रारूप

1. नाम : .....पिता का नाम : .....
2. पूरा पता (स्पष्ट अक्षरों में) : .....
   .....
   राज्य ..... पिन कोड : .....
3. मोबाईल नं. : .....
4. ईमेल (यदि हो तो) : .....
5. सम्बन्धित आर्य समाज का नाम : .....
6. आगमन की तिथि : ..... प्रस्थान की तिथि : .....
7. आने का साधन : रेल/बस/निजी वाहन : .....
   (यदि निजी वाहन है तो वाहन का नाम व वाहन सं.):.....
8. आगमन स्टेशन का नाम : .....

दिनांक : ..... हस्ताक्षर

.....

आर्यजन महासम्मेलन में अपनी समाज की बैच लगाकर आएँ

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में आने वाले सभी आर्यजन भाई-बहन अपनी पहचान के लिए अपनी आर्य समाज का सुन्दर बैच लगाकर आएँ। बैच में अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन का लोगो, महर्षि दयानन्द का सुन्दर चित्र, अपने आर्य समाज का नाम, अपना नाम व पता अवश्य अंकित करें। इससे आप की पहचान जहाँ आप के आर्य समाज और जनपद के साथ बनी रहेगी वहीं पर आम जनता में भी आर्य समाज और इस महासम्मेलन की चर्चा हो जाएगी। सम्मेलन का लोगो अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की वैबसाइट www.arya mahasammelan.org अथवा दिल्ली सभा की वैबसाइट www.thearya samaj.org से डाउनलोड किया जा सकता है।

प्रचार हेतु शोभायात्रा/प्रभातफेरी आयोजित करें

समस्त आर्य समाजों, आर्य विद्यालयों, गुरुकुलों एवं अन्य सहयोगी संस्थानों के पदाधिकारियों से निवेदन है कि अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 के अवसर पर सम्मेलन से चार दिन पूर्व अपने प्रतिदिन अपने-अपने क्षेत्रों में सम्मेलन के प्रचार एवं जन साधारण को आमन्त्रित करने पधारने की प्रेरणा देने के लिए प्रातःकाल अथवा सायंकाल जैसा आप उचित समझें शोभायात्राएं/प्रभातफेरियां आयोजित करें, जिससे जन साधारण में जानने की उत्सुकता तथा जागृति का संचार हो।

कृपया अपनी प्रचारयात्रा/शोभायात्रा/प्रभातफेरी का विवरण तिथि, समय, स्थान, रूट आदि की जानकारी सम्मेलन कार्यालय को अवश्य भेजें, जिससे आर्यसन्देश साप्ताहिक में प्रकाशित किया जा सके। *- संयोजक*

आर्य समाज हनुमान रोड, नई दिल्ली का वार्षिक निर्वाचन सम्पन्न
पुनः श्री अरुण प्रकाश वर्मा प्रधान एवं श्री विजय दीक्षित मन्त्री निर्वाचित

आर्य समाज हनुमान रोड, नई दिल्ली का वार्षिक निर्वाचन दिनांक 15 जुलाई 2018 को सम्पन्न हुआ। यह निर्वाचन दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा मनोनीत चुनाव अधिकारी श्री सुखबीर सिंह आर्य की देखरेख एवं अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ जिसमें निम्न पदाधिकारी निर्वाचित घोषित किये गये-

प्रधानः श्री अरुण प्रकाश वर्मा, **उपप्रधान :** श्री अशोक सहदेव, श्री चन्द्रवीर सिंह चौहान, **मन्त्रीः** श्री विजय कुमार दीक्षित, **कोषाध्यक्ष :** श्री दयानन्द यादव।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसन्देश परिवार की ओर सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। *- सम्पादक*

आर्य समाज सोनापर नरपतगंज, अररिया

प्रधानः
श्री जयप्रकाश आर्य
मंत्रीः
श्री बीरबल आर्य
कोषाध्यक्ष :
श्री कलपलाल आर्य

Invite Applications for setting up of coaching institute with residential facility for administrative services for
CONSULTANT/MANAGAR
Key Responsibilities :
• Guiding & Designing the Basic Infrastructure for the Institute
• Preparing the Basic Outline of the Syllabus/Curriculum
• Methodology for Coaching & Monitoring of the Students
• Other Innovative Systems & Techniques for the Institute
Required Skills
• 10-12 years exp. in the Field
• Good Communication Skill
• Academic/Administrative Background will Preferred good remuneration
interested candidates may please send their resume to dss.pratibha@gmail.com

REQUIRED
For our Institute at Connaught Place
HINDI TYPIST - 2
ACCOUNTANT
(Tally Must)
SOCIAL MEDIA EXPERT
OFFICE MANAGER
PROJECT MANAGER
GRAPHIC DESIGNER
VIDEO GRAPHER
VIDEO EDITOR
APPLY NOW :
aryasabha@yahoo.com

चुनाव समाचा

8 **साप्ताहिक आर्य सन्देश**

सोमवार 16 जुलाई, 2018 से रविवार 22 जुलाई, 2018

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15–हनुमान् रोड, नई दिल्ली–110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)–11/6071/2018–19–2020

नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 19–20 जुलाई, 2018

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2018–19–2020

आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथिः बुधवार 18 जुलाई, 2018

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन –2018 दिल्ली

25–26–27–28 अक्टूबर, 2018

भव्य स्मारिका का प्रकाशन

सभी आर्य समाजें व आर्य संस्थाएँ विज्ञापन अवश्य भेजें

यदि आप सम्मेलन के अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका में विज्ञापन रूप में अपनी आर्यसमाज / संस्था की विशेष गतिविधियों का विवरण प्रकाशित करना चाहते है, जिससे आर्यसमाज के इतिहास में आपकी संस्था का नाम अंकित हो। स्मारिका 15 अक्टूबर तक तैयार हो जायेगी और 23×36×8 साईज में प्रकाशित होगी। पूरे पृष्ठ का विज्ञापन साईज 7.5"×10" का एवं आधे पृष्ठ का साईज 7.5"×5" होगा। आप अपना चैक/ड्राफ्ट "दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा – महासम्मेलन-2018" के नाम केवल खाते में उक्त पते पर भिजवाकर कृतार्थ करें। विज्ञापन सामग्री एवं डिजाईन हमें 30 सितम्बर 2018 तक अवश्य भिजवा दें। दरें निम्न प्रकार हैं –

(श्वेत श्याम विज्ञापन)		(रंगीन- चार रंगों में विज्ञापन)	
1. चौथाई पृष्ठ	5000/–	4. चौथाई पृष्ठ	7500/–
2. आधा पृष्ठ	7500/–	5. आधा पृष्ठ	12500/–
3. पूरा पृष्ठ	10000/–	5. पूरा पृष्ठ	21000/–

प्रतिष्ठा में,

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलनः प्रकाशित स्मारिका हेतु निवेदन

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन–2018 के अवसर पर प्रकाशित स्मारिका हेतु वैदिक विद्वानों, लेखकों एवं चिन्तकों से निवेदन है कि आर्य समाज के अनछुए विषयों, समसामयिक विषयों एवं आर्य जगत की महान विभूतियों जिनके कार्यों को आजतक किसी ने नहीं जाना–पहचाना उनकी स्मृतियों को दृष्टिगत रखते हुए लेखों को ए-4 साईज के पेपर पर बाएं साईड में कम से कम 2 इंच का हाशिया छोड़कर स्पष्ट अक्षरों में लिखकर या टाईप कराकर '**स्मारिका सम्पादक**' के नाम '**अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन–2018', 15, हनुमान रोड, नई दिल्ली –110001**' के पते पर या ईमेल aryasabha@yahoo.com पर ईमेल करने की कृपा करें। –**सम्पादक**

पुस्तक विक्रेता स्टाल बुक कराएं

॥ ओ३म् ॥

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन–2018

25-26-27-28 अक्टूबर 2018 (दिल्ली)

महर्षि दयानन्द नगर, स्वर्ण जयन्ती पार्क, सैक्टर-10, रोहिणी, दिल्ली (भारत)

स्टॉल आवंटन हेतु आवेदन पत्र

संस्थान का नाम : ....

पूरा पता : ....

दूरभाष/चलभाष : ....

ई-मेल : ....

स्टॉलों की संख्या : ....

भुगतान का विवरण : ....

संस्थान प्रमुख का नाम : ....

दूरभाष/चलभाष : ....

ई-मेल : ....

प्रतिनिधियों के नाम : ....

दूरभाष/चलभाष : ....

ई-मेल : ....

बैनर पर मुद्रण हेतु नाम : ....

आप किस श्रेणी में स्टॉल लेना चाहते हैं निशान लगायें :

1. पुस्तकें ☐ 2. हवन सामग्री/यज्ञ पात्र ☐ 3. सीडी कैसेट्स ☐ 4. चित्र ☐ 8. औषधी ☐

6. अन्य : ....

आप अपने सामान पर कितने प्रतिशत की छूट देंगे : ....

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 में स्टॉल के नियम

- स्टॉल में केवल वैदिक साहित्य, प्रचार सामग्री, यज्ञ सम्बन्धित सामग्री आदि ही बेची जा सकेगी। अवैदिक साहित्य व प्रचार सामग्री नहीं बेची जायेगी।
- स्टॉल का साईज लगभग 10x10 होगा। एक स्टॉल में 3 टेबल व 2 कुर्सी दी जायेगी।
- सभी स्टॉल धारक अपना सामान स्टॉल के अन्दर ही रखेंगे। स्टॉल के बाहर न सामान रखेंगे और न ही बेचेंगे। ऑडियो/वीडियो की आवाज कम रखेंगे जिससे कि दूसरे स्टॉल वालों को परेशानी न हो।
- दूसरे के स्टॉल में रखी टेबल आदि को उठाकर अपने स्टॉल में नहीं रखेंगे। अतिरिक्त सामान के लिये डेकोरेटर से सम्पर्क करें।
- आप किस श्रेणी में स्टॉल लेना चाहते हैं निशान अवश्य लगायें।
- स्टॉल का आवंटन समिति के विवेकानुसार होगा। समिति को अधिकार होगा कि वैदिक धर्म के विरुद्ध बेची जा रही सामग्री को जब्त करके स्टॉल खाली करा लिया जाये तथा किसी भी तरह का भुगतान वापिस नहीं होगा।
- भुगतान चैक/बैंक ड्राफ्ट/RTGS/NEFT/नकद द्वारा कर सकते हैं। चैक वापिस होने पर 500/- अतिरिक्त देना होगा तथा स्टॉल रद्द हो जायेगा।
- स्टॉलों की बुकिंग 25 सितम्बर 2018 को बन्द हो जायेगी। स्टॉल की संख्या सीमित है, बुकिंग पहले पूरा हो जाने पर पहले भी बन्द हो सकती है। आवंटित स्टॉल नम्बर 20 अक्टूबर तक बता दिये जायेंगे।
- सम्पूर्ण बाजार की सफाई में अपना स्वैच्छिक सहयोग देंगे।
- प्लास्टिक की थैली पूर्णतया प्रतिबन्धित होगी। उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना व उचित कार्यवाही की जायेगी।

हमने स्टॉल हेतु नियम पढ़ लिये हैं तथा इनको पालन करने का वचन देते हैं।

स्थान: आवेदक के हस्ताक्षर

संस्था का नाम

दिनांक: पद

कार्यालय प्रयोग हेतु

रसीद संख्या : स्टॉल :

भुगतान का विवरण : स्टॉल संख्या :

स्टाल बुकिंग शुल्क : 4000/–रुपये मात्र

स्टाल केवल आर्य पुस्तक विक्रेता एवं वैदिक साहित्य के प्रकाशकों के लिए आरक्षित किए जाएंगे। आपका साहित्य पूर्ण रूप से आर्यसमाज एवं वैदिक मान्यताओं अनुरुप होना चाहिए। आर्यसमाज/वैदिक मान्यताओं के विरुद्ध साहित्य पाए जाने पर स्टाल का आबंटन रद्द किया जा सकता है। – संयोजक

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा हरिहर प्रैस, ए–29/2, नरायणा औद्यो. क्षेत्र–1, नई दिल्ली–28 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15–हनुमान रोड, नई दिल्ली–1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित

सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह